सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, सोमवार, 18 अगस्त, 2025
वर्षः 02, अंकः 219, पृष्ठः 8+4

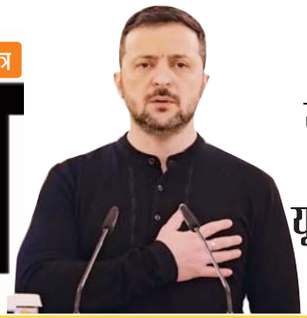

जेलेंस्की को मिला यूरोपीय देशों का साथ

इनसाइड 40-50 लाख में बिक रहे अध्यापक पद!... » Pg 11

» Pg 12

टीएसएच गेट नंबर-4 की दीवार गिराने का मामला गर्माया

मेयर प्रमिला पांडेय ने नगर आयुक्त सुधीर कुमार के साथ की मीटिंग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» मेयर ने कहा कि वाटिका के नाम पर कब्जा जमाने वालों पर होगी कार्रवाई, बिना अनुमति के गेट कैसे बन रहा था?

» परशुराम वाटिका समिति के अध्यक्ष शेषनारायण त्रिवेदी ने कहा कि भगवान परशुराम का अपमान कर रहीं मेयर

कानपुर। बेनाझाबर स्थित दि स्पोर्ट्स हब (टीएसएच) के गेट नंबर चार के सामने बनाई गई दीवार गिराए जाने और मलबा गायब कर दिए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। परशुराम वाटिका संचालन करने वाली समिति के लोगों ने सांसद और डीएम से शिकायत की थी।

जिलाधिकारी के हस्तक्षेप के बाद नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने कार्रवाई की बात कही थी लेकिन मेयर से मीटिंग के बाद अधिकारी भी असमंजस में है। गौरतलब है कि टीएसएच स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत बना है और इसके बगल में परशुराम वाटिका स्थित है जो कि वर्ष 2008 के आसपास बनी थी। टीसीएस के गेट नंबर चार को लेकर भगवान परशुराम सर्वकल्याण सेवा समिति लगातार आपत्ति जता रही थी। समिति का कहना है कि टीएसएच के स्वीकृत नक्शे में यह गेट शामिल नहीं है। कई दौर की जांच के बाद नगर निगम ने गेट के सामने दीवार का निर्माण शुरू करवाया था, जिसे शुक्रवार रात अज्ञात लोगों ने गिरा दिया और मलबा भी हटा दिया। परशुराम वाटिका समिति के महामंत्री शेष नारायण त्रिवेदी ने सांसद देवेन्द्र सिंह भोले से मुलाकात कर आरोपितों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। सांसद ने इस मामले में डीएम जितेन्द्र प्रताप सिंह से निष्पक्ष जांच और कार्रवाई करने को कहा है। इधर, सोमवार को महापौर प्रमिला पांडेय ने नगर आयुक्त सुधीर कुमार के साथ नगर निगम के अन्य अधिकारियों से मीटिंग की। बिना अनुमति दीवार निर्माण कराए जाने पर आपत्ति जताई है। मेयर प्रमिला पांडेय ने स्वराज इंडिया संवाददाता को बताया कि परशुराम वाटिका नगर निगम का पार्क है इसमें कुछ लोग जानबूझकर अपना कब्जा जमाए हैं, इसकी जांच के लिए मैंने नगर आयुक्त से कहा है और दीवार का निर्माण गलत किया जा रहा था इसलिए उसको गिराया गया है।

एनडीए ने सीपी राधाकृष्णन को बनाया उपराष्ट्रपति पद प्रत्याशी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के प्रत्याशी चुने जाने के बाद महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन आज नई दिल्ली पहुंचे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। सीपी राधाकृष्णन महाराष्ट्र से पहले झारखंड के राज्यपाल भी रह चुके हैं। बता दें कि राधाकृष्णन चार दशकों से अधिक समय से राजनीतिक, सामाजिक और सांविधानिक जीवन में सक्रिय हैं। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर तस्वीरें शेयर कर लिखा, राधाकृष्णन जी से मुलाकात कर उन्हें एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने पर अपनी शुभकामनाएं दीं।

दुखद

मदरसे में पिटाई से नाराज थी छात्रा, मुफ्ती साहब के गोद लिए बच्चे को बेड में छिपाया

14 साल की लड़की का खूनी बदला, बलि चढ़ा 11 माह का मासूम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बागपत। मदरसे में पिटाई किए जाने से नाराज किशोरी ने मुफ्ती साहब के 11 माह के बेटे को बेड में बनी संदूक में छिपा दिया। दम घुटने से बच्चे की मौत हो गई।

उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के छपरौली क्षेत्र से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। एक मदरसे में मुफ्ती द्वारा पिटाई किए जाने से नाराज एक 14 वर्षीय किशोरी ने उसके 11 माह के बेटे को बेड में बनी संदूक में कथित रूप से छिपा दिया, जिससे दम घुटने से बच्चे की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, छपरौली थाना क्षेत्र के टांडा गांव में स्थित एक मदरसे में यह घटना हुई। मदरसे में पढ़ने वाली किशोरी को करीब एक सप्ताह पहले मोबाइल फोन रखने और सबक (पाठ) याद नहीं करने पर मुफ्ती शहजाद ने पीटा था। इस पिटाई से किशोरी इतनी आहत हुई कि उसने बदला लेने की ठान ली।

11 माह के बेटे को बेड में कर दिया बंद

शनिवार रात को छात्रा ने मुफ्ती के गोद लिए गए 11 माह के बेटे तलहा को कमरे में रखे बेड के संदूक में बंद कर दिया। कुछ ही देर में दम घुटने के कारण बच्चे की मौत हो गई। रविवार सुबह जब तलहा के परिजन उसकी तलाश कर रहे थे, तो बेड से दुर्गंध आने पर उसे खोला गया। अंदर तलहा का शव बरामद हुआ, जिससे परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मदरसे में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसमें किशोरी की हरकत स्पष्ट दिखाई दी। इसके बाद किशोरी को हिरासत में ले लिया गया और उससे पूछताछ शुरू की गई। पूछताछ के दौरान छात्रा ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और बताया कि मुफ्ती की पिटाई से आहत होकर उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

स्वागतम

कानपुर में ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा की समीक्षा बैठक

बिजली बिलों की गड़बड़ियों पर सख्ती, उपभोक्ता संतुष्टि को प्राथमिकता बनाने के निर्देश

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए. के. शर्मा ने रविवार को केस्को कार्यालय सभागार में विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्री ने उपभोक्ताओं की समस्याओं पर गंभीरता से चर्चा की और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बिजली बिलों में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपभोक्ताओं की शिकायतों का तत्काल निस्तारण किया जाए, अन्यथा संबंधित अधिकारी और कर्मचारी के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई होगी।

उन्होंने कहा कि सभी उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना विभाग की जिम्मेदारी है। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ-जहाँ लटके तार या जर्जर लाइनें हैं, उन्हें तत्काल दुरुस्त किया जाए। बरसात व आपदा के समय उपभोक्ताओं की सुरक्षा सर्वोपरि है, इसलिए ट्रांसफॉर्मर और लाइनों की नियमित जाँच की जाए।श्री शर्मा ने अधिकारियों को लाइन लॉस रोकने और बिजली चोरी पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया। साथ ही, हेल्पलाइन और कैंपों के जरिए उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विभाग का प्राथमिक लक्ष्य उपभोक्ता संतुष्टि होना चाहिए।बैठक में ऊर्जा मंत्री ने चेतावनी दी कि लापरवाही और शिथिलता किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार की मंशा जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की है और इसमें किसी भी प्रकार की बाधा स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने अधिकारियों से टीम भावना के साथ कार्य करने और उपभोक्ताओं को यह भरोसा दिलाने का आह्वान किया कि सरकार उनके साथ खड़ी है।बैठक में डायरेक्टर, मुख्य अभियंता, अधिशासी अभियंता समेत विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

महापौर के निजी आवास पहुंचे नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा

» उन्होंने कहा कि कानपुर के विकास प्रस्तावों पर जल्द होगा निर्णय, आदेशों की अवहेलना करने वालों पर होगी कार्रवाई

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा रविवार शाम महापौर प्रमिला पांडे के एफएम कॉलोनी स्थित आवास पर पहुंचे। महापौर ने पार्षदों संग मंत्री का स्वागत किया। इस दौरान सांसद रमेश अवस्थी और कल्याणपुर की विधायक श्रीमती नीलिमा कटियार भी मौजूद रहीं।बैठक के दौरान नगर विकास मंत्री ने महापौर और पार्षदों से बातचीत करते हुए आश्वासन दिया कि नगर निगम की ओर से भेजे गए सभी विकास प्रस्तावों पर जल्द निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आदेशों की अवहेलना करने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई होगी।श्री शर्मा ने कहा कि कानपुर एक पुराना और बड़ा शहर है, इसके विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। सरकार की प्राथमिकता शहर की समस्याओं का समाधान कर जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।इस मौके पर पार्षद दल के नेता नवीन पंडित, पार्षद पवन पांडे, पार्षद अमित गुप्ता समेत दर्जनों पार्षद मौजूद रहे।

केस्को के अधिकारियों से समीक्षा करते कैबिनेट मंत्री एके शर्मा

कानपुर लॉयर्स चुनाव में मतदान कल

निर्मल तिवारी स्वराज इंडिया

कानपुर । लॉयर्स एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में कल मतदान होगा। 20 पदों के लिए 74 प्रत्याशी की किस्मत का फैसला करने के लिए 7765 अधिवक्ता कल मतदान करेंगे। एल्डर्स कमेटी और प्रशासन ने शांतिपूर्ण चुनाव के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं।

- COP व क्यू आर पर्ची दिखाने के बाद ही कर सकेंगे मतदान
- मतदान के समय मोबाइल पर प्रतिबंध
- चुनाव के मद्देनजर पुलिस ने किया ट्रैफिक डायवर्जन

मुख्य चुनाव अधिकारी राजेश यादव ने जानकारी दी कि कल डीएवी डिग्री कॉलेज में लॉयर्स एसोसिएशन चुनाव का मतदान होगा। उन्होंने जानकारी दी कि पुलिस ने मतदान के समय मोबाइल पर प्रतिबंध लगा दिया है। सर्टिफिकेट आफ प्रैक्टिस(सीओपी) के प्रमाण पत्र के साथ ही क्यूआर कोड की पर्ची देखकर ही मतदान स्थल पर प्रवेश दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि क्यूआर कोड पर्ची का वितरण लॉयर्स कार्यालय से किया जा रहा है। चुनाव के मध्य पुलिस ने कल कचहरी के आसपास ट्रैफिक डायवर्जन भी किया है

वाद पर भारी अपवाद या मिथक तोड़ बनेगा नया इतिहास

लॉयर्स चुनाव में नामांकन के अंतिम दिन दोपहर लगभग 2 बजे अध्यक्ष पद के दो प्रत्याशी अनूप कुमार द्विवेदी और दिनेश चंद्र वर्मा का नामांकन जुलूस एक साथ लायर्स एसोसिएशन पहुंचा था। दोनों ही प्रत्याशियों के समर्थक हाथ में प्रचार तख्ती लिए पूरे जोश के साथ जबरदस्त नारेबाजी करते नजर आए। दिनेश चंद्र वर्मा समर्थकों ने पूरे जोश के साथ नारा लगाया अब ना कोई वाद चलेगा, केवल आशीर्वाद चलेगा। समर्थकों का यह नारा इस बार के लॉयर्स चुनाव में बदलते समीकरण को भी इंगित कर रहा था। दरअसल लंबे समय तक कचहरी की राजनीति को प्रभावित करने वाले जातीय गणित इस बार जबरदस्त चुनौती का सामना करते नजर आ रहे हैं। अध्यक्ष पद पर 6 में से तीन प्रत्याशी ब्राह्मण हैं, इसी प्रकार महामंत्री पद पर आठ में से चार प्रत्याशी ब्राह्मण हैं। कचहरी की राजनीति में दिलचस्पी रखने वाले तमाम लोगों का दावा है वोटों के बिखराव के चलते इस बार अप्रत्याशित परिणाम भी आ सकते हैं। दोनों पदों पर बहुकोणीय मुकाबले की स्थिति में अंतिम समय में दक्षिण का आशीर्वाद निर्णायक भी हो सकता है। इसी प्रकार कानपुर के कुछ चर्चित अधिवक्ताओं पर हो रही पुलिसिया कार्रवाई भी चुनाव में एक बड़े मुद्दे के रूप में सामने आई है। लगभग सभी प्रत्याशी अपने भाषण में अधिवक्ता स्वाभिमान व सम्मान की बातें इन्हीं घटनाओं के परिपेक्ष्य में करते नजर आए। लेकिन आम वकीलों के बीच में इस बात को लेकर राय बंटी हुई है। पिछले दिनों हुई पुलिसिया कार्रवाई भी एक अपवाद के रूप में देखी जा रही है तो क्या यह मुद्दा लायर्स चुनाव पर असर डालेगा, इस पर भी पूरे शहर की नजर है।

पदवार प्रत्याशियों की संख्या

अध्यक्ष - 6
महामंत्री - 8
वरिष्ठ उपाध्यक्ष- 5
कनिष्ठ उपाध्यक्ष- 6 कोषाध्यक्ष -4
संयुक्त मंत्री (प्रशासन)- 9 संयुक्त मंत्री (पुस्तकालय)- 5 संयुक्त मंत्री (प्रशासन)- 3 वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य 10 कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य 17

पार्किंग व्यवस्था

चेतना चौराहा के पास जेएनके इंटर कालेज
लड्डा कोठी के पास गैस गोदाम ग्राउंड
एमजी कालेज चौराहा के पास नगर निगम इंटर कालेज
मधुबन तिराहे के बगल में डीएवी कालेज मैदान
मर्चेंट्स चेंबर के सामने मैकराबर्ट हास्पिटल पार्किंग

इस तरह बदला रहेगा यातायात

टेफको तिराहा व मर्चेंट्स चेंबर की तरफ से आने वाले सभी वाहन ग्रीनपार्क चौराहे से वीआइपी रोड होकर डीएवी तिराहा की तरफ नहीं जा सकेंगे। ये वाहन ग्रीनपार्क चौराहे से बाएं मुड़कर, यूनियन बैंक तिराहे से दाहिने मुड़कर ग्रीनपार्क के पीछे वाले मार्ग से होते हुए डीएवी तिराहा से वीआइपी रोड से गोरा कब्रिस्तान के पीछे होकर जाएंगे। वाहन डीएवी तिराहा से मधुवन तिराहा की तरफ नहीं जा सकेंगे।

सिलवर्टन तिराहे (लालइमली के पीछे) की तरफ से आने वाले वाहन एमजी कालेज चौराहे से मधुवन तिराहे की तरफ नहीं जा सकेंगे। ये वाहन एमजी कालेज से बाएं मुड़कर ग्रीनपार्क से यूनियन बैंक तिराहे से दाहिने मुड़कर जाएंगे।

फूलबाग चौराहे की तरफ से आने वाले सभी वाहन मेघदूत तिराहे से वीआइपी रोड सरसैयाघाट की तरफ नहीं जा सकेंगे। ये वाहन मेघदूत तिराहे से परेड चौराहे से बाएं मूलगंज, सीधे चुन्नीगंज व ग्रीनपार्क व एमजी कालेज होकर जाएंगे।

बड़ा चौराहा से वाहन चेतना चौराहा, सरसैयाघाट व वीआइपी रोड की तरफ नहीं जा सकेंगे। ये वाहन बड़ा चौराहा से मेघदूत व परेड चौराहा होते हुए जाएंगे।

चेतना चौराहा से केवल अधिवक्ताओं के वाहन पुलिस आफिस की तरफ जाएंगे।

चेतना चौराहे से अधिवक्ताओं के वाहन मधुवन तिराहे की तरफ नहीं जा सकेंगे। पुलिस आफिस से तिकोनियां पार्क की तरफ अधिवक्ता अपने वाहनों को पार्क करेंगे।

चाचा अगर जूता की माला न पहिना दें तो कु... की औलाद कहो!

■ विधायक और सांसद को अपशब्द कहने वाला गिरफ्तार
■ सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल, पुलिस हरकत में आई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर। रविवार को सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडियो वायरल हुआ जिसने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। करीब एक मिनट 49 सेकंड के इस वीडियो में एक व्यक्ति विधायक और सांसद को लेकर अपशब्दों की झड़ी लगाता दिखाई दे रहा है। इतना ही नहीं, वह सामने से उकसा रहे एक शख्स से कहता है- 'चाचा, जूता की माला न पहना दें... तो कु... की औलाद कहो!' इस अशोभनीय टिप्पणी वाला वीडियो तेजी से वायरल होते ही पुलिस हरकत में आ गई और मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी। हालांकि, वायरल हुए इस वीडियो की पुष्टि आपका अपना स्वराज इंडिया अखबार नहीं करता है। पुलिस जांच में आरोपी की पहचान सर्वेश पाल उर्फ गुड्डू पाल (45 वर्ष), निवासी ग्राम बदन निवादा, थाना बिल्हौर के रूप में हुई। पूछताछ के लिए जब पुलिस उसके

सांसद, विधायक पर अशोभनीय टिप्पणी करने वाला सर्वेश पाल पुलिस की गिरफ्त में।

घर पहुंची तो उसने न केवल सहयोग करने से इंकार किया, बल्कि उलझने और हंगामा करने लगा।

पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद उसे हिरासत में लिया और थाने ले आई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ 170 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सार्वजनिक मंच या सोशल मीडिया पर इस तरह की भाषा किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विहिप स्थापना दिवस पर एकता और संगठन पर जोर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» युवाओं से धर्म की रक्षा के लिए आगे आने का आह्वान किया
» हिंदू समाज की एकता व राष्ट्रहित में काम करने का लिया संकल्प

बिल्हौर(कानपुर)। विश्व हिंदू परिषद ने रविवार को मकनपुर रोड स्थित एक होटल में स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर संगठन से जुड़े पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने हिंदू समाज की एकता, कुरीतियों से मुक्ति और राष्ट्रहित में काम करने का संकल्प लिया। समारोह का शुभारंभ विधायक राहुल बच्चा सोनकर, क्षेत्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह और जिलाध्यक्ष अतुल अवस्थी ने दीप प्रज्वलित कर किया। गजेंद्र सिंह ने कहा कि हिंदू समाज को एक धागे में पिरोना ही विहिप का मुख्य लक्ष्य है। ऊंच-नीच और भेदभाव जैसी सामाजिक बुराइयों को समाप्त करना समय की आवश्यकता है।

विधायक सोनकर ने संगठन की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि अगर कार्यकर्ता संगठित होकर काम करेंगे तो समाज और देश दोनों को मज़बूती मिलेगी। उन्होंने सभी को एकजुट होकर हिंदू और राष्ट्रहित में कार्य करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में जिला सह मंत्री अनिकेत भदौरिया, सुभाष चंद्र गुप्ता, अनुराग यादव, उदय शंकर मिश्रा, ऋषभ, हिमांशु कटियार, ग्राम प्रधान अजीत सिंह राजावत, राजकुमार भदौरिया, हरिओम भदौरिया, आशीष, इंदू शुक्ला, कल्लू ठाकुर और शशिकांत सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रशिक्षु उपनिरीक्षक का निधन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर थाने पर तैनात प्रशिक्षु उपनिरीक्षक सर्वेश पाण्डेय (पीएनओ नं0 241230381) का रविवार को इलाज के दौरान निधन हो गया। जानकारी के अनुसार, सर्वेश पाण्डेय ने 23 जुलाई को बिल्हौर थाने पर आमद कराई थी। आठ अगस्त को उनकी माताजी की तबीयत खराब होने पर वे अवकाश पर गए थे, इसी बीच उनकी तबीयत भी बिगड़ गई। पहले उन्हें पॉपुलर अस्पताल, वाराणसी में भर्ती कराया गया, बाद में उन्हें विल्सन अस्पताल, लखनऊ में भर्ती कराया गया, जहां 17 अगस्त को उन्होंने अंतिम सांस ली।

वादा निभाया

12 किमी पैदल सफ़र में गूंजता रहा दम मदार बेड़ा पार

नगर पालिका अध्यक्ष इखलाक खान ने पैदल पहुंच पूरी की मन्नत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» दरगाह पहुँचने पर सज्जादानशीं ने पगड़ी बाँधी और जियारत कराई
» मदार गेट पर सपा के अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष ने किया स्वागत

बिल्हौर (कानपुर)। नगर पालिका अध्यक्ष इख़लाक ख़ान ने रविवार को जिंदा शाह मदार दरगाह तक पैदल सफर कर अपनी मन्नत पूरी की। चुनाव प्रचार के दौरान भी वे पैदल दरगाह पहुँचे थे और जीत मिलने पर दोबारा पैदल जाने का संकल्प लिया था। रविवार को उन्होंने समर्थकों और शुभचिंतकों के साथ यह वादा निभाया।

दोपहर बाद बड़ी संख्या में लोग उनके साथ पैदल सफ़र पर निकले। करीब 12 किलोमीटर लंबा यह सफ़र उत्साह के माहौल में पूरा हुआ। रास्ते भर समर्थक जगह-जगह नारे लगाते रहे, फूल बरसाते रहे और चेयरमैन का स्वागत करते रहे। पूरे काफिले में दम मदार बेड़ा पार की गूंज माहौल को जोश से भरती रही। जैसे-जैसे कारवां मक़नपुर की ओर बढ़ता गया, समर्थकों का उत्साह और भी बढ़ता गया। दरगाह क्षेत्र में प्रवेश करते ही मदार गेट पर सपा के अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष मुक़ीम ख़ान ने चेयरमैन का स्वागत किया। वहां से जुलूस जैसी शक्ल ले चुका काफिला दरगाह की ओर बढ़ा। दरगाह पहुंचने पर सज्जादानशीं नूरुल अरफात जाफरी मदारी ने इख़लाक ख़ान का इस्तकबाल किया और उन्हें पगड़ी बाँधी। इसके बाद उन्हें दरगाह में जियारत कराई गई। इस मौके पर भाजपा सभासद बऊआ, सभासद कामिल ख़ान, बिल्हौर के मदरसे में शिक्षक डॉ हुसैन, आशिफ़ दानिश, बागुल, फैज़ान, शारिक समेत दर्जनों समर्थक मौजूद रहे। जियारत के बाद चेयरमैन इख़लाक ख़ान ने सभी समर्थकों का शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने तपती धूप और थकान के बावजूद पैदल सफर में उनका साथ दिया। सपा नेता एवं मुकीम ख़ान की ओर से सभी के लिए खाने-पीने की विशेष व्यवस्था की भी गई। वहीं कुछ लोगों ने इस पैदल यात्रा को राजनीति से प्रेरित बताया है।

नपा अध्यक्ष इखलाक का इस्तकबाल करते सज्जाद नशीं नुरुल अराफात जाफरी मदारी।

सम्पादकीय

भारत पश्चिम के दबाव का विरोध करे

रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने के दावों में नाकाम रहने के बाद ट्रंप प्रशासन अपनी खिसियाट उन देशों पर दबाव बनाकर निकाल रहा है, जो रूस से कच्चा तेल खरीद रहे हैं। जिनमें भारत के साथ चीन व ब्राजील भी शामिल हैं। इसके लिये अमेरिका नाटो के दुरुपयोग से भी नहीं चूक रहा है। आखिर शेष विश्व के देशों के व्यापारिक मामलों में नाटो की दखल का क्या औचित्य है? नाटो महासचिव मार्क रूट्टे की रूसी तेल आयात संबंधी धमकी पर भारत द्वारा करारा जवाब दिया गया है। लेकिन इस घटनाक्रम ने एक बार फिर वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर पश्चिमी देशों के दोमुंहेपन को ही बेनकाब किया है। दरअसल, अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान, रूट्टे ने भारत, चीन और ब्राजील को चेतावनी दी है कि वे रूस पर यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिये दबाव बनाएं, अन्यथा दंडात्मक व्यापार शुल्क का सामना करने के लिये तैयार रहें। निश्चित रूप से रूट्टे की यह टिप्पणी अमेरिका के रूसी प्रतिबंध अधिनियम, 2025 की दिशा में बढ़ते समर्थन के साथ मेल खाती है। यह एक विधेयक है, जिसे राष्ट्रपति ट्रंप और 171 सांसदों का समर्थन प्राप्त है। यह वही विधेयक है, जो रूस के तेल, गैस, यूरेनियम या पेट्रोकेमिकल्स का व्यापार करने वाले देशों पर पांच सौ फीसदी तक शुल्क लगाने का प्रस्ताव पेश करता है। उल्लेखनीय है कि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिये पूरी तरह से आयातित तेल पर निर्भर करता है। देश अपने कच्चे तेल का 88 फीसदी आयात करता है। जिसके चलते ही भारत ने पश्चिमी देशों के दोहरे मापदंड के प्रति ही आगाह किया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सीनेटर लिंडसे ग्राहम को नई दिल्ली की चिंताओं से अवगत कराया है। साथ ही भारत की वैध ऊर्जा आवश्यकताओं और अपनी आर्थिक दिशा स्वयं निर्धारित करने के संप्रभु अधिकार पर जोर दिया है। निश्चित रूप से दुनिया के तटस्थ और विकासशील देशों को पश्चिमी देशों की दादागीरी का पुरजोर विरोध करना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि फरवरी में रूसी तेल आयात में 14.5 फीसदी की गिरावट आने के बावजूद, मास्को भारत का शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। जिसने मुश्किल वक्त में अन्य देशों के पीछे हटने पर भी भारत को रियायती दर पर कच्चा तेल देने की पेशकश की थी। भारत द्वारा पश्चिमी देशों के दोहरे मापदंड अपनाने के विरोध करने का तार्किक आधार है। हकीकत यह है कि यूरोपीय देश अन्य देशों और अपरोक्ष माध्यमों से रूसी कच्चे तेल का आयात जारी रखे हुए हैं। लेकिन चाहते हैं कि ग्लोबल साउथ के देशों पर ऐसा करने पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाएं। भारत तथा तुर्की में परिष्कृत रूसी तेल को यूरोपीय संघ को फिर से निर्यात किया जाना पश्चिमी देशों के खोखलेपन को ही उजागर करता है। भारत ने इस दोगली नीति के प्रति अपना मुखर विरोध दिल्ली यात्रा के दौरान नाटो महासचिव के सामने जता दिया था। भारत का स्पष्ट कहना है कि उसके निर्णय अपने राष्ट्रीय हितों के मद्देनजर लिए जाएंगे। जिसको लेकर वह किसी तरह का बाहरी दबाव स्वीकार नहीं करेगा।

लेकिन अपने मंसूबों में विफल होने के बाद पश्चिमी देश चाहते हैं कि यूक्रेन युद्ध बंद करने के लिये रूस पर दबाव बनाने हेतु दुनिया के अन्य देश उसकी हां में हां मिलाएं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में भी रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने पर अमेरिका ने रूस से भारत के तेल खरीदने को लेकर प्रश्न उठाये थे। तब भी भारत ने उसे अहसास कराया था कि हम अपने आर्थिक प्राथमिकताओं के मद्देनजर ही अपने फैसले लेंगे।

ट्रंप की तेल कूटनीति में नाटो का दुरुपयोग

पुष्परंजन

वर्ष 1949 में वाशिंगटन संधि पर हस्ताक्षर के साथ गठित, 'नाटो' उत्तरी अमेरिका और यूरोप के 32 देशों का एक सुरक्षा गठबंधन है। नाटो का मूल लक्ष्य, राजनीतिक और सैन्य साधनों से मित्र राष्ट्रों की स्वतंत्रता, और सुरक्षा सुनिश्चित करना है। नाटो के दो मुख्य अंग हैं- राजनयिक, और सैन्य। यदि राजनयिक प्रयास विफल हो जाते हैं, तो नाटो सैनिक कार्रवाई के लिए धमकाता है। नीदरलैंड्स के पूर्व प्रधानमंत्री रह चुके मार्क रुट्टे, ट्रंप के ख़ास लोगों में माने जाते हैं।बुधवार को वाशिंगटन में नाटो महासचिव मार्क रुट्टे ने कहा, कि रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फ़ोन करना चाहिए, और उन्हें बताना चाहिए कि यूक्रेन से शांति वार्ता के बारे में गंभीर होना होगा, वरना ब्राज़ील, भारत, और चीन पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ेगा। रुट्टे ने कहा, 'इन तीन देशों को मेरा मशविरा है कि यदि आप पेइचिंग में रहते हैं, या दिल्ली में, या आप ब्राज़ील के राष्ट्रपति हैं, तो आपको इस पर गौर करना चाहिए, क्योंकि यह आपको बहुत प्रभावित कर सकता है।'

यह धमकाना ही तो है। इसे आप जुर्रत नहीं, तो क्या कहेंगे? खुन्नस आपको पुतिन से है, उसे निकाल रहे हैं, उन देशों पर, जो रूस से तेल व्यापार कर रहे हैं। एक अक्तूबर, 2024 से मार्क रुट्टे नाटो के महासचिव हैं। चार साल की कार्यावधि में मार्क रुट्टे ट्रंप की कठपुतली जैसा कार्य करेंगे, यह उनके बयानों से दिख रहा है। ब्रसेल्स के बाहरी इलाके में स्थित, एक विशाल परिसर में स्टील और कांच से बने नाटो मुख्यालय में सात वर्षों तक मेरा जाना रहा। रुट्टे अपने पूर्ववर्तियों की तरह व्हाइट हॉउस के आगे क्यों नतमस्तक हैं? उसकी वजह है, पैसा। मोबाइल थल सेना, वायु रक्षा, लंबी दूरी की हथियार प्रणालियों और सुरक्षा कवच 'परमाणु छतरी' के लिए नाटो, दशकों से अमेरिका पर निर्भर रहा है।'सेंटर फॉर यूरोपियन पॉलिसी एनालिसिस' के वरिष्ठ फेलो और पूर्व शीर्ष नाटो अधिकारी, जनरल गॉर्डन बी. डेविस जूनियर (सेवानिवृत्त) कहते हैं, 'नाटो की परमाणु छतरी, और पूरा सैन्य सेटअप अमेरिकी पैसे के बिना काम कर ही नहीं सकता।' कहने के लिए नाटो 32 उत्तर अटलांटिक देशों का सुरक्षा गठबंधन है, दरअसल यह अमेरिका को सिजदा करने वाला संगठन है। दिक्कत, ट्रम्प के साथ है। इस महीने रूस ने कीव पर 10 घंटे तक लगातार हमले किए। इन हमलों के बाद, 14 जुलाई को ट्रंप बोले, 'मैं राष्ट्रपति पुतिन से बिल्कुल भी खुश नहीं हूं। अब अमेरिका यूक्रेन को आत्मरक्षा के लिए ज्यादा हथियार देगा।' मतलब, ट्रंप का 'मिशन पीस' हो गया फिस्स।इस पूरी कहानी का दूसरा पक्ष है, तेल व्यापार। भारत में पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर्स की 23 रिफाइनरियां हैं। रूस में 30 बड़ी और मध्यम आकार की रिफ़ाइनरियां हैं, जबकि अमेरिका में 131 रिफाइनरियां हैं। अमेरिका, दुनिया का सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश है। उसके बाद ही सऊदी अरब, रूस, कनाडा, चीन, इराक, यूएई, ब्राज़ील, ईरान और कुवैत क्रमशः आते हैं। एनर्जी इन्फॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन (ईआईए) को आशंका है, कि अमेरिकी कच्चे तेल का उत्पादन 2026 के अंत तक उस उच्च स्तर से कम हो जाएगा, क्योंकि तेल उत्पादक प्रतिस्पर्धी कीमतों से खरीदारों को लुभाएंगे। तेल उद्योग पर नज़र रखने वाले विशेषज्ञ इसे रूस से आयात करने वाले देशों पर दबाव बनाकर पुतिन को मजबूर करने की रणनीति के रूप में देखते हैं। रूसी तेल पर कीमतों को लेकर कोई 'कैपिंग' नहीं है, मास्को के कच्चे तेल की कीमत उस स्तर से नीचे है, तो पश्चिमी मालवाहक और बीमाकर्ता रूसी तेल व्यापार में भाग नहीं ले सकते। यह, एक क़िस्म की गुंडई है।भारत और चीन, रूसी कच्चे तेल के शीर्ष आयातक हैं। भारत अपनी लगभग 88 प्रतिशत कच्चे तेल की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए आयात पर निर्भर है। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद, जब पश्चिमी देशों ने रूसी कच्चे तेल से दूरी बना ली, तो रूस ने इच्छुक खरीदारों को अपने तेल पर छूट देना शुरू कर दिया।

समाज के विश्वास व पीड़ित की आशा का कानून

नए आपराधिक क़ानूनों का क्रियान्वयन

डा0 सुमित मिश्रा

धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र के नाम से विख्यात हरियाणा ने एक बार फिर देश की न्याय व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन का सूत्रपात किया है। भारतीय न्याय प्रणाली की जड़ें महाभारत और मौर्यकाल जैसी सभ्यताओं में गहराई तक जमी रही। जहां नागरिकों के अधिकारों की रक्षा और न्याय की सर्वोच्चता सदैव अक्षुण्ण रही। इसी परंपरा को अक्षुण्ण रखते हुए, हरियाणा ने 1 जुलाई 2024 से प्रभावी हुए तीन नए आपराधिक कानूनों– भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, और भारतीय साक्ष्य अधिनियम– के सफल और प्रभावी क्रियान्वयन में अग्रणी भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री व केंद्रीय गृहमंत्री के नेतृत्व में यह परिवर्तन केवल विधियों में संशोधन नहीं, बल्कि न्याय-प्रणाली को औपनिवेशिक सोच से मुक्त कर संस्कृति, संवेदना और समसामयिक आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने का एक क्रांतिकारी कदम है।

दरअसल, इन नए क़ानूनों में भीड़ हिंसा, उन्नत तकनीकी अपराध तथा महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराधों पर विशेष ध्यान दिया गया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा ने इन क़ानूनों को ज़मीनी स्तर पर लागू करने हेतु ठोस तैयारी की। राज्य के सभी जिलों में पुलिस अधिकारियों, लोक अभियोजकों और न्यायिक अधिकारियों को विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जांच अधिकारियों को आधार प्रमाणीकरण, त्वरित दस्तावेज़ीकरण और वैज्ञानिक अनुसंधान पद्धतियों से सुसज्जित किया गया।भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 346 के अंतर्गत अब गंभीर अपराधों की सुनवाई प्रतिदिन करना अनिवार्य है। इससे न्याय प्रक्रिया में विलंब कम हुआ है। 'चिह्नित अपराध' योजना के अंतर्गत 1,683 जघन्य अपराधों की निगरानी उच्चतम स्तर पर हुई जिनमें फरीदाबाद, डबवाली और करनाल जैसे जिलों में दोषसिद्धि 95 प्रतिशत से भी अधिक रही है।हरियाणा ने न्याय प्रणाली में तकनीकी नवाचारों को भी पूर्णतः अपनाया है। वाहन चोरी जैसे मामलों में स्वतः प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीकरण, आधार सत्यापित बयानों की रिकॉर्डिंग और मेडलीपर प्रणाली के माध्यम से चिकित्सा परीक्षण और शव परीक्षण की रिपोर्टिंग को समयबद्ध किया गया। इसके परिणामस्वरूप 90 प्रतिशत से अधिक मामलों का निपटारा एक सप्ताह के भीतर हुआ। ट्रैकिया प्रणाली के माध्यम से फॉरेंसिक प्रमाणों की जांच और लेखा-जोखा पूरी तरह पारदर्शी और उत्तरदायी बना है। फरवरी 2025 में राज्य सरकार द्वारा लागू हरियाणा गवाह संरक्षण योजना के तहत गवाहों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु उन्हें विभिन्न स्तरों में वर्गीकृत किया गया है, और उन्हें खतरे के अनुसार विशेष सुरक्षा प्रदान की गई। महिलाओं-बच्चों के विरुद्ध अपराधों के त्वरित निपटान हेतु गुरुग्राम, फरीदाबाद और पंचकूला में विशेष त्वरित न्यायालय कार्यरत हैं। चिन्हित अपराधों के तहत मामलों की निगरानी से दोषसिद्धि दर में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। अप्रैल 2025 तक 1,764 मामलों का निपटारा किया गया, जिनमें दोषसिद्धि दर 77.15 प्रतिशत रही। वर्ष 2024 में जुलाई से दिसंबर तक यह दर 89 प्रतिशत तक रही।उल्लेखनीय मामलों में शीघ्र निर्णय हुए हैं। यमुनानगर जिले में एक नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म व हत्या के मामले में 140 दिनों में मृत्युदंड दिया गया। इसी प्रकार गुरुग्राम और पानीपत के मामलों में मात्र 2 से 3 महीनों में निर्णय हो गया। अब न्याय में देरी की परंपरा समाप्त हो रही है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 356 के अंतर्गत अब ऐसे आरोपियों के विरुद्ध भी सुनवाई संभव है जो न्यायालय से अनुपस्थित हैं। हरियाणा में ऐसे 193 मामलों की पहचान की गई है, और चार मामलों में न्यायालयों ने अनुपस्थित आरोपियों के विरुद्ध निर्णय भी दिए हैं। हरियाणा ने विचाराधीन बंदियों की पेशी के लिए वीडियो कान्फ्रेंसिंग को भी अपनाया है।

दूध के दाम बढ़ाओ, किसानों को दो आर्थिक आजादी:चौधरी बृजेन्द्र सिंह पटेल

डॉ. सोनेलाल पटेल की मौत की सीबीआई जांच की मांग, अनुप्रिया पटेल से डर छोड़कर आवाज उठाने का आह्वान

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। अपना मोर्चा (असली अपना दल सोनेलाल के घटक दलों का संगठन) ने रविवार को किसानों और नौजवानों के लिए आर्थिक आजादी आंदोलन की हुंकार भरी। राष्ट्रीय संयोजक चौधरी बृजेन्द्र सिंह पटेल ने कहा कि दूध उत्पादन लागत बढ़ चुकी है, लेकिन किसानों को उसका उचित मूल्य नहीं मिल रहा। उन्होंने मांग की कि आगामी चुनाव से पहले प्रदेश में दूध की खरीद कम से कम 100 प्रति लीटर होनी चाहिए।

चौधरी बृजेन्द्र सिंह ने कहा कि आजादी के 79 साल बाद भी किसानों और युवाओं को आर्थिक न्याय नहीं मिला। विधान सभा अपने भत्ते बढ़ा सकती है तो किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य क्यों नहीं? उन्होंने कहा कि दूध का दाम बढ़ने से न केवल किसानों को राहत मिलेगी बल्कि सरकार का गौशालाओं पर खर्च भी घटेगा।मोर्चा कीसंपर्क, संवाद, सृजन यात्रा रविवार को डॉ. सोनेलाल पटेल के विष्णुपुरी स्थित आवास से शुरू होकर चौबेपुर तक पहुँची। यात्रा का आगाज़ उस स्थान से हुआ जहाँ डॉ. सोनेलाल पटेल की कथित फ्हत्याफ् सड़क दुर्घटना के रूप में हुई थी। यात्रा में शामिल युवाओं और किसानों ने जगह-जगह चौधरी बृजेन्द्र का स्वागत किया।सभा के दौरान किसानों ने खाद की कमी, बिजली व डेयरी संबंधी समस्याएँ रखीं। ग्राम प्रधान राघवेंद्र कटियार ने यूरिया न मिलने की शिकायत पर ज्ञापन भी सौंपा, जिस पर बृजेन्द्र ने जिलाधिकारी से बात कर कार्रवाई शुरू कराई।

सभा में चौधरी बृजेन्द्र ने डॉ. पटेल की मौत की सीबीआई जांच की जोरदार मांग दोहराई। उन्होंने सवाल उठाया कि जब उनकी बेटी अनुप्रिया पटेल केंद्र सरकार में मंत्री हैं, तो वे जांच की मांग करने से क्यों हिचकती हैं? उन्होंने कहा –

अनुप्रिया को डरना नहीं चाहिए, मोर्चा उनके साथ खड़ा है।

उन्होंने यह भी कहा कि मोर्चा समान शिक्षा और कृषि विविधीकरण को लेकर बड़ा आंदोलन छेड़ेगा। किसानों और युवाओं को एकजुट कर आगामी चुनाव से पहले आर्थिक आजादी की गूंज पूरे प्रदेश में सुनाई जाएगी।

यात्रा और सभाओं में राजेश पाल, आसिफ अंसारी, शिवाजी, अंकित सिंह पटेल, केदार सचान, अंकिता सचान, सुशील कटियार, राजा दीक्षित समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

सड़क हादसे में कानपुर निवासी महिला दरोगा रिचा सचान की दर्दनाक मौत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गाजियाबाद/कानपुर। यूपी के गाजियाबाद कमिश्नरेट के कविनगर थाने में तैनात महिला उपनिरीक्षक (दरोगा) रिचा सचान की देर रात ड्यूटी से लौटते समय सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई।जानकारी के अनुसार रिचा सचान स्कूटी से घर लौट रही थीं कि अचानक सड़क पर कुत्ता आ जाने से उनका संतुलन बिगड़ गया। स्कूटी फिसलकर गिरने से उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। उपचार से पहले ही उनकी मृत्यु हो गई।मूल रूप से कानपुर नगर के घाटमपुर क्षेत्र के ग्राम आसधाना निवासी रिचा अपनी लगन, कर्तव्यनिष्ठा और मिलनसार स्वभाव के लिए जानी जाती थीं। उनकी असमय मृत्यु की खबर से पुलिस विभाग और परिवार में गहरा शोक व्याप्त है।पुलिस विभाग ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि रिचा शर्मा की सेवाओं और समर्पण को हमेशा याद रखा जाएगा। उनके पैतृक गांव और परिजनों में इस दुखद समाचार से कोहराम मचा हुआ है।

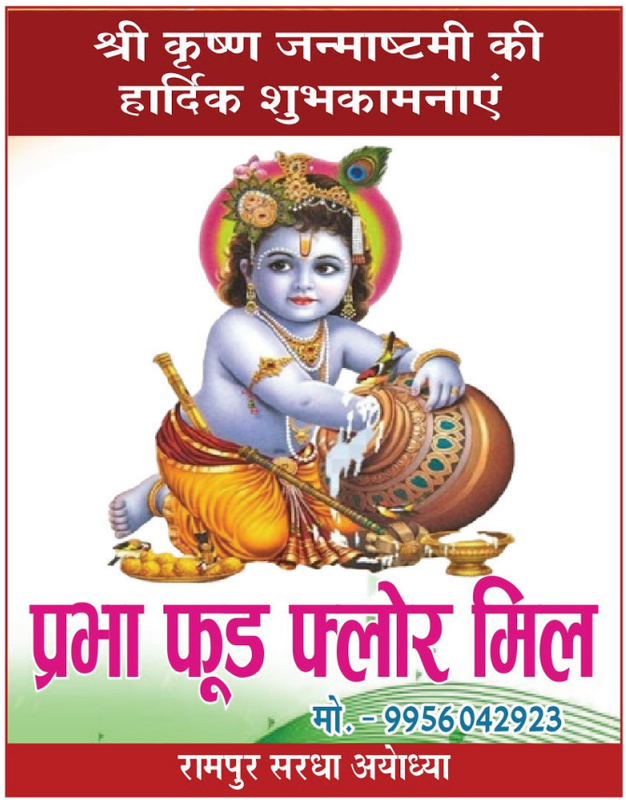

घाटमपुर में दर्दनाक हादसा: लोडर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

» पेट्रोल भरवाकर घर लौटते वक्त हुआ हादसा, गुस्साए ग्रामीणों ने किया हंगामा

» एक साल पहले की थी लव मैरिज, पत्नी अल्का बेसुध होकर बार-बार ढह रही

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। घाटमपुर इलाके में सोमवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। तेज रफ्तार लोडर ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी, जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर के बाद लोडर खड्ड में पलट गया। घटना से ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने घटनास्थल पर हंगामा किया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने समझा-बुझाकर परिजनों को शांत कराया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रोती बिलखती पत्नी

मृतक की पहचान 22 वर्षीय सुमित पुत्र ओमप्रकाश, निवासी जगन्नाथपुर (घाटमपुर) के रूप में हुई है। सुमित गुजरात में रहकर प्राइवेट नौकरी करता था और कुछ दिन पहले ही छुट्टी पर घर आया था। सोमवार सुबह वह घर से पेट्रोल डलवाने के लिए निकला, पेट्रोल भरवाने के बाद वापस लौटते समय फायर स्टेशन के पास अनियंत्रित लोडर ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में सुमित की मौके पर ही मौत हो गई।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। ग्रामीणों ने बताया कि सुमित पांच भाइयों में सबसे बड़ा था। उसके परिवार की पूरी जिम्मेदारी भी उसी पर थी। हादसे की खबर सुनते ही मां और पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। मौके पर मौजूद लोग भी आंसू नहीं रोक पाए। सबसे हृदय

विदारक दृश्य तब सामने आया जब सुमित की पत्नी अल्का बेसुध हो गई। अल्का ने बताया कि सुमित ने उसे कानपुर मूवी दिखाने का वादा किया था, लेकिन घर से निकले कुछ ही घंटों बाद वह हमेशा के लिए उसे छोड़कर चला गया। पत्नी की चीख-पुकार सुनकर मौजूद महिलाएं उसे पानी छिड़ककर संभालने की कोशिश करती रहीं।

घाटमपुर इंस्पेक्टर धनंजय कुमार पांडेय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिजनों की तहरीर पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कायाकल्प की तैयारी में कानपुर का ग्रीन पार्क स्टेडियम

» 250 करोड़ की लागत से तीन चरणों में होगा नवीनीकरण

दर्शक क्षमता 27 हजार से बढ़कर 50 हजार तक, बनेगी तीन मंजिला वीवीआईपी गैलरी

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। ऐतिहासिक ग्रीन पार्क स्टेडियम अब नए रूप में नजर आने वाला है। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) ने करीब 250 करोड़ रुपये की लागत से स्टेडियम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और भव्य बनाने की योजना तैयार कर ली है। यह काम तीन चरणों में पूरा किया जाएगा। स्टेडियम की जर्जर सी और डी बालकनी को ध्वस्त कर वहां तीन मंजिला वीवीआईपी गैलरी बनाई जाएगी, जिसमें 500 मेहमान बैठ सकेंगे। साथ ही, करीब 15 हजार दर्शकों के लिए अतिरिक्त सीटें जोड़ी जाएंगी। इस तरह ग्रीन पार्क की कुल दर्शक क्षमता 27,400 से बढ़कर 50,000 तक पहुंच जाएगी।यूपीसीए के अनुसार, स्टेडियम की सभी गैलरियों का नामकरण मुंबई के वानखेड़े और दिल्ली के फिरोजशाह कोटला की तरह पूर्व क्रिकेटरों के नाम पर किया जाएगा। इसके अलावा, नया फ्लड लाइट सिस्टम लगाया जाएगा और मैदान में सब-सर्फेस ड्रेनेज सिस्टम विकसित किया जाएगा ताकि बारिश के दौरान भी मैच प्रभावित न हो।हाल ही में भारत-बांग्लादेश टेस्ट मैच के सफल आयोजन के बाद मंडलायुक्त ने बीसीसीआई की तकनीकी टीम और यूपीसीए अधिकारियों के साथ मिलकर इस प्रोजेक्ट को अंतिम रूप दिया। यूपीसीए के सीईओ अंकित चटर्जी ने बताया कि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार हो चुकी है और इसके पास होते ही नवीनीकरण का काम शुरू कर दिया जाएगा।

स्व. उमाशंकर मिश्र की प्रथम पुण्यतिथि पर विशाल भंडारे का आयोजन

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। महोबा के रिटायर्ड कानूनगो स्वर्गीय श्री उमाशंकर मिश्र की प्रथम पुण्यतिथि पर उनके पुत्र नृपेंद्र कुमार मिश्र द्वारा मेट्रो स्टेशन आवास विकास, हंसपुरम में रविवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों, गणमान्य नागरिकों और राहगीरों ने प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व विधानसभा प्रत्याशी महाराजपुर श्री मनोज कुमार शुक्ला, क्षेत्रीय पार्षदगण, हंसपुरम क्षेत्र के गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में शिक्षकगण उपस्थित रहे।भंडारे में शामिल होने वालों में अमित मिश्र, बलबीर यादव, अतुल शुक्ल, आशुतोष त्रिपाठी, परमवीर चक्रवर्ती, दीपेंद्र अग्निहोत्री, अनिल यादव, देवेंद्र सचान, देवव्रत सचान, अनुराग तिवारी, डॉ. अजय दुबे, वैष्णवी हॉस्पिटल के संचालक डॉ. वी. के. दीक्षित, एडवोकेट अभिनव मिश्र, कृपाशंकर उमराव सहित क्षेत्र के सैकड़ों प्रबुद्ध लोग मौजूद रहे। श्रद्धेय स्व. उमाशंकर मिश्र को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सभी ने उनके आदर्शों और समाज सेवा के कार्यों को स्मरण किया।

फर्रूखाबाद में बाढ़ की त्रासदी, सैकड़ों गांव जलमग्न, राहत कार्य जारी

शिवांक अग्निहोत्री स्वराज इंडिया

फर्रूखाबाद। गंगा और रामगंगा नदी की भीषण बाढ़ ने आम जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। जिले के करीब सौ से अधिक गांवों में पानी भर जाने से लोग अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करने को मजबूर हैं। अमृतपुर तहसील क्षेत्र के कई गांवों के परिवार अब इटावा-बरेली हाईवे और बदायूं-फर्रुखाबाद स्टेट हाईवे के किनारे अस्थायी तौर पर डेरा जमाए हुए हैं। इन परिवारों ने त्रिपाल डालकर झोपड़ीनुमा घर बना लिए हैं और वहीं रहने लगे हैं।

» गंगा-रामगंगा की बाढ़ से जिले की तीनों तहसीलों में हाहाकार, ग्रामीण त्रिपाल के नीचे कर रहे जिंदगी गुजारने की कोशिश

» कटरी भटपुरा में पुल निर्माण में भ्रष्टाचार उजागर, पांचाल घाट से एसडीआरएफ की तैनाती और स्वराज इंडिया की मोटरबोट कवरेज

ग्रामीणों का कहना है कि बाढ़ का पानी उनके घरों और खेतों को पूरी तरह डुबो चुका है, जिससे गांव में रहना अब असंभव हो गया है। बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह ठप हो गई है, वहीं महिलाओं को खाने-पीने और पशुओं की देखभाल की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई लोग अपने मवेशियों को भी साथ लेकर आए हैं ताकि किसी अनहोनी से बचाया जा सके। चारों ओर फैले पानी और असहाय जीवन की तस्वीरें इस प्राकृतिक आपदा की गंभीरता को और बढ़ा रही हैं।

प्रशासन सतर्क लेकिन हालात अब भी गंभीर

प्रशासन ने बाढ़ के हालात को देखते हुए फर्रुखाबाद-बदायूं मार्ग सहित कई प्रमुख रास्तों को बंद कर दिया है ताकि लोग जोखिम भरे क्षेत्रों में न जा सकें। जमापुर मोड़ पर बैरिकेडिंग कर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। वहीं गांवों की गलियों और सड़कों पर घुटनों तक पानी भरा हुआ है और पानी की धार इतनी तेज है कि वहां से निकलना बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने और लोगों की मदद के लिए नाव सेवा शुरू की है, लेकिन राहत और बचाव के इंतजाम प्रभावित गांवों के हिसाब से काफी सीमित नजर आ रहे हैं। बाढ़ की विभीषिका के बीच कुछ युवाओं ने इसे मनोरंजन का साधन बना लिया है। वे गहरे पानी में बाइक दौड़ाकर, तैरकर और मोबाइल से वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर रील्स डाल रहे हैं। यह लापरवाही न केवल उनकी जान को खतरे में डाल सकती है बल्कि प्रशासन की अपील की अनदेखी भी है। प्रशासन बार-बार लोगों से सतर्क रहने और प्रभावित इलाकों से दूर रहने की अपील कर रहा है, ताकि कोई बड़ी अनहोनी न हो।

पुल निर्माण में भ्रष्टाचार और पांचाल घाट से राहत कार्य

इस बाढ़ ने न केवल लोगों की जिंदगी को संकट में डाला है, बल्कि सरकारी विकास कार्यों में हो रहे भ्रष्टाचार की परतें भी खोलकर रख दी हैं। कमालगंज क्षेत्र के कटरी भटपुरा गांव में गंगा नदी पर बनाए जा रहे पुल से जुड़ा सड़क मार्ग बाढ़ में ध्वस्त हो गया है। जांच में सामने आया कि सड़क निर्माण में मात्र तीन फीट मिट्टी डाली गई थी और उसके नीचे केवल बालू भरी गई थी।

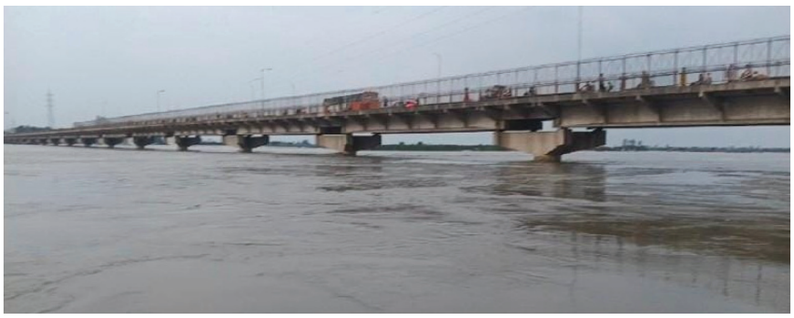

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचा स्वराज इंडिया

यही कारण है कि बाढ़ के पानी ने बालू को काटना शुरू कर दिया और सड़क कमजोर होकर कटने लगी। इस वजह से वहां बना पीपे वाला पुल पूरी तरह बह गया। लोगों का कहना है कि इस निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार और लापरवाही साफ दिखाई दे रही है इसी बीच पांचाल घाट में मौजूद नारायण आश्रम, जिसे कायमगंज के मशहूर व्यापारी पिक्कू लाला ने समाज सेवा के तौर पर बनवाया था, राहत कार्यों का बड़ा केंद्र बन गया है। यहां राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टुकड़ी तैनात की गई है, जो लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की मदद कर रही है। स्वराज इंडिया डिजिटल टीम ने भी पांचाल घाट से मोटरबोट के जरिए बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा किया और वहां की स्थिति को नजदीक से कैमरे में कैद किया। टीम ने बाढ़ से जूझ रहे परिवारों, प्रशासन की तैयारियों और भ्रष्टाचार के कारण उजागर हो रही कमियों की हकीकत को अपनी ग्राउंड रिपोर्टिंग में प्रस्तुत किया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की इस सच्चाई ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या प्रशासन और ठेकेदारों की लापरवाही लोगों की मुसीबतों को और बढ़ा नहीं रही?

कानपुर में गंगा का प्रकोप: जलस्तर चेतावनी बिंदु पार तमाम गांव जलमग्न

» जलस्तर खतरनाक स्तर पर, घरों और खेतों में घुसा गंगा का सैलाब

» आवागमन ठप, राहत शिविरों में पहुंचे बाढ़ से बेघर ग्रामीण

प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है और हालात गंभीर हो चुके हैं। हरिद्वार के नरौरा बांध से छोड़े गए पानी के बाद गंगा नदी एक सौ तेरह मीटर के चेतावनी बिंदु को पार कर गई है। नबाबगंज, ग्वालटोली और बिठूर कटरी के कई गांव पूरी तरह से जलमग्न हो चुके हैं। भगवानदीन पुरवा में तो गंगा का पानी घरों की चौखट तक पहुंच गया है। यहां सुरक्षा कारणों से बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई है। अमरूद और सब्जियों की फसलें बर्बाद हो गई हैं, जबकि सड़कों पर पांच फीट तक पानी भरने से आमजन का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में रहना अब असंभव हो गया है। आवागमन पूरी तरह बाधित होने के कारण प्रशासन ने नावें और ट्रैक्टर लगाए हैं, लेकिन लोगों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। भगवानदीन पुरवा और आसपास के इलाकों के लोग आशंका जता रहे हैं कि यदि पानी इसी तरह बढ़ता रहा तो उन्हें गंगा बैराज रोड पर पलायन करना पड़ेगा। स्वास्थ्य सेवाओं का समय पर न पहुंचना भी एक बड़ी समस्या है। गंगा का दूषित पानी घरों और गलियों में घुस जाने से बीमारी फैलने का खतरा बढ़ गया है, लेकिन अब तक स्वास्थ्य विभाग की सक्रिय मौजूदगी नहीं दिख रही।प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए राहत कार्य तेज किए हैं। कांशीराम नगर और मन्नीपुरवा के स्कूलों में राहत शिविर बनाए गए हैं, जहां अब तक कई प्रभावित परिवार पहुंच चुके हैं। शिविरों में ठहरने और भोजन की व्यवस्था की गई है। ग्रामीणों के लिए तीन ट्रैक्टर और तीन नावों की मुफ्त सुविधा दी गई है ताकि वे सुरक्षित स्थानों तक पहुंच सकें। रविवार को उपजिलाधिकारी और तहसीलदार सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने गांवों का दौरा किया और हालात का जायजा लिया। वहीं नर्वल और शुक्लागंज क्षेत्र में भी गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि इस बार की बाढ़ ने उनका जीवन बुरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। खेतों की फसलें डूब चुकी हैं, घरों में पानी भर गया है और बच्चों की पढ़ाई तक रुक गई है। वहीं कुछ युवाओं ने इस खतरनाक स्थिति को भी मनोरंजन का जरिया बना लिया है। वे बाढ़ के पानी में सोशल मीडिया के लिए वीडियो और रील्स बना रहे हैं, जबकि प्रशासन लगातार लोगों से सतर्क रहने और प्रभावित इलाकों से दूर रहने की अपील कर रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

मौत के गड्ढों में तब्दील नेशनल हाईवे!

» चौरा से बारा जोड़ तक 30 किमी सड़क पर मौत का खतरा, हर कदम पर जानलेवा गड्ढे

» टोल टैक्स वसूली पूरी, लेकिन सड़क बदहाल हादसों से दहल रहा कानपुर-झांसी हाईवे

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। कानपुर-झांसी नेशनल हाईवे पर चौरा से बारा जोड़ तक 30 किलोमीटर का सफर मौत से खेलने जैसा हो गया है। स्वराज इंडिया की टीम ने जब इस हाईवे का जायजा लिया तो सामने आया कि सड़क जगह-जगह गहरे गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। हालत यह है कि हर किलोमीटर पर दर्जनों गड्ढे मौजूद हैं। बारिश के बाद इनमें पानी भर जाने से यह और भी खतरनाक हो जाते हैं। नतीजा आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं और मासूम लोग अपनी जान गंवा रहे हैं।

ग्रामीणों और वाहन चालकों का कहना है कि टोल टैक्स पूरा वसूला जाता है लेकिन सुविधा के नाम पर कुछ नहीं दिया जाता। वहीं, ओवरलोड डंपरों और ट्रैक्टरों का दबाव हाईवे को और ज्यादा खोखला कर रहा है।

वाहन चालकों की पीड़ा गड्ढे बने जानलेवा जाल

बस ड्राइवर शिवम सिंह ने कैमरे पर कहा सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हैं, लेकिन देखने वाला कोई नहीं। टोल टैक्स पूरा वसूला जाता है, लेकिन सड़कों की हालत सुधरती नहीं।

ट्रक ड्राइवर बलराम और गजेंद्र सिंह ने बताया कि गड्ढों में गाड़ी गिरने से एक्सल टूट जाता है और बड़े हादसों का खतरा हमेशा बना रहता है।

बाइक चालक अभिषेक ने कहा कि खासकर रात में अंधेरे में ये गड्ढे और भी खतरनाक हो जाते हैं। अचानक पहिया गड्ढे में गिरने से संतुलन बिगड़ता है और लोग गंभीर हादसों का शिकार हो जाते हैं।

मरम्मत में लापरवाही बजरी डालकर छुपाई जाती खामियां

हाईवे किनारे दुकान चलाने वाले गोविंद मिश्रा ने बताया कि पिछले दो सालों से हादसों का सिलसिला जारी है। बारिश के मौसम में पानी भरने से हालात और बिगड़ जाते हैं। अफसर मरम्मत के नाम पर गड्ढों से निकली बजरी को वापस उन्हीं गड्ढों में डालकर खानापूर्ति कर देते हैं। गंभीर स्थिति वाले गड्ढों की लिस्ट में चौरा, पिपरी, भोगनीपुर ओवरब्रिज, पुखरायां बाईपास, गढ़ाई खेड़ा मोड़, डीघ गांव, देवीपुर ओवरब्रिज, लालपुर चौकी और नवीपुर जैसे कई स्थान शामिल हैं जहां आए दिन हादसे हो रहे हैं।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर को लेकर हुई अहम बैठक

» गरीब व मध्यमवर्गीय रोगियों को मिलेगा मुफ्त इलाज और दवा

» डॉ. विकास सचान ने लोगों से सेवा कार्य में जुड़ने की अपील की

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। क्षेत्र में गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से होम्योपैथिक चिकित्सक और समाजसेवी के रूप में प्रसिद्ध डॉ. विकास सचान की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में सुमित सचान मौजूद रहे। बैठक में विभिन्न स्थानों पर निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाने का निर्णय लिया गया, जिससे जरूरतमंद लोगों को दवा और इलाज की सुविधाएं मुफ्त में उपलब्ध कराई जाएंगी।डॉ. विकास सचान ने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से खासकर उन मरीजों को राहत मिलेगी, जिनके पास महंगे इलाज के लिए पर्याप्त साधन नहीं होते। उन्होंने बताया कि ऐसे शिविरों में मौके पर ही जांच और दवा उपलब्ध कराना न केवल शारीरिक बल्कि सामाजिक सुविधा भी प्रदान करेगा।डॉ. सचान ने इस पहल को समाज सेवा का एक बड़ा पुण्य कार्य बताया और सभी से इसमें सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि समाज मिलकर काम करे तो जरूरतमंदों को काफी राहत दी जा सकती है ।

स्वच्छ भारत मिशन की पोल खुली- करोड़ों खर्च, गंदगी जस की तस

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। जिले का पंचायत विभाग एक बार फिर सवालों के घेरे में है। स्वच्छ भारत मिशन और संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद गांवों में सफाई व्यवस्था दम तोड़ती दिख रही है। मलासा ब्लॉक के ग्राम पंचायत बिरमा गांव की गलियां कीचड़ और गंदगी से भर चुकी हैं। नालियां उफन रही हैं और बदबू से ग्रामीण परेशान हैं।

ग्रामीणों कुंवर लाल कुशवाहा, अखिलेश कुशवाहा, राकेश कुशवाहा, लालजी सविता और अनूप कुमार शुक्ला का कहना है कि सफाई कर्मी महीने में कभी-कभार ही गांव आते हैं। वहीं, ब्लॉक मलासा की एडीओ पंचायत अमिता मिश्रा की मनमानी के चलते स्थिति और बिगड़ती जा रही है।

करोड़ों खर्च, फिर भी सफाई नदारद

शासन लगातार बैठकों में समीक्षा करता है और कागजों पर एंटी-लार्वा छिड़काव व सफाई का दावा किया जाता है। लेकिन जमीनी हकीकत ये है कि गांव में गंदगी से मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। लोग सर्दी, जुखाम, बुखार और मलेरिया जैसी बीमारियों से जूझ रहे हैं। ग्रामीण साफ कहते हैं कि सफाई केवल कागजों पर होती है, हकीकत में गांव बदहाल है।गांवों को स्वच्छ बनाने के लिए चलाई जा रही यह महत्वाकांक्षी योजना जिले में फेल साबित हो रही है। पंचायत विभाग के सफाई कर्मी ब्लॉक दफ्तरों और सरकारी कार्यालयों में ही ड्यूटी बजाते नजर आते हैं। डीपीआरओ से लेकर ब्लॉक स्तर तक के अधिकारी सिर्फ रिपोर्ट में आंकड़े सुधारते हैं लेकिन गांव की बदहाली पर आंख मूंद लेते हैं। मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी नागपन से संपर्क की कोशिश की गई लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी।

सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर खौफ़नाक अंजाम

» सोशल मीडिया पोस्ट पर दबंगों का हमला, अयोध्या में खून-खराबा

दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा- बलवंत चौधरी एसपी ग्रामीण

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। सोशल मीडिया पर एक इंस्टाग्राम पोस्ट ने पूरे गाँव को दहला दिया। पोस्ट हटाने के बाद भी दबंगों का गुस्सा शांत नहीं हुआ और रविवार की सुबह देवई गाँव रणभूमि में बदल गया। कुंदुरखा खुर्द, बभनियावा, भग्गू का पुरवा, इयोढ़ी और किठावा जैसे गाँवों से जुटे दो दर्जन से अधिक दबंग युवकों ने लाठी-डंडा, हाकी और लोहे के रॉड लेकर बृजभान तिवारी के घर धावा बोल दिया।

हमले में ब्राह्मण परिवार के आधा दर्जन सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। खून से सनी देहें, टूटी-फूटी दीवारें और चीखते-बिलखते परिजन इस बात की गवाही दे रहे थे कि दबंगई किस हद तक गाँव की शांति को निगल चुकी है।

पुलिस की कार्यवाही जारी

आशीर्वाद तिवारी की तहरीर पर 10 नामजद और एक दर्जन अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। नामजद आरोपियों में नीरज सिंह, राना सिंह, कार्तिकेय सिंह, शैलेश सिंह शानू, तुषार सिंह, लल्लू सिंह सिपाही, सिद्धार्थ शर्मा, राम सिंह शामिल हैं। पुलिस ने अब तक तीन दबंगों को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य की तलाश में दबिशें जारी हैं।तनाव को देखते हुए देवई गाँव में पीएसी और भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। घटना स्थल पर पहुंचे एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने आश्वासन दिया कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

गाँव में सुलगता तनाव

यह घटना सिर्फ एक पोस्ट पर हुआ हमला नहीं, बल्कि गाँव में जातीय वर्चस्व और दबंगई की जड़ें कितनी गहरी हैं इसका सबूत है। सोशल मीडिया की छोटी सी पोस्ट ने पूरे गाँव को युद्धभूमि में बदल दिया। डर और खामोशी अब भी गाँव की गलियों में पसरी हुई है। बड़ा सवाल यह है क्या सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की कीमत अब लहू से चुकानी होगी?

घटनाक्रम की बारीकी समझिए

युवक ने दबाव में पोस्ट हटा दी, लेकिन दबंगों का क्रोध नहीं थमा।

साजिशन जुटाई गई भीड़ ने पूरे परिवार को निशाना बनाया।

आशीर्वाद तिवारी, जितेश तिवारी, अवनीश तिवारी, चिरंजीव तिवारी, अर्पित तिवारी समेत कई घायल, एक की हालत नाजुक। घायलों को पहले सीएचसी सोहावल और फिर जिला अस्पताल रेफर किया गया।

पोस्ट ये थी जिस पर विवाद हुआ

विवादों के घेरे में राजस्व निरीक्षक संघ का चुनाव

नियमों को ताक पर रखकर हित साधने के लिए किया गया खेल

» संयुक्त कर्मचारी परिषद ने उठाए गंभीर सवाल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।भगवान राम की नगरी में राजस्व निरीक्षक संघ का चुनाव एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया कम, बल्कि षड्यंत्र और शक्ति प्रदर्शन का अखाड़ा ज्यादा बन गया। आरोप है कि चुनाव की आड़ में संघ के कुछ प्रभावशाली चेहरे अपने नजदीकी लोगों को पदों पर बैठाने की साजिश रच चुके थे।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष अरविंद सिंह ने सीधा हमला बोलते हुए कहा कि यह चुनाव नियम विरुद्ध, साजिशन और निजी हितों के लिए कराया गया है। उनके मुताबिक संघठन के कुछ स्वयंभू नेताओं ने नियम-कानून को ताक पर रखकर अपने हित साधे और पूरे चुनाव को अवैध बना दिया।

नवनिर्वाचित पदाधिकारी

इस विवाद का तड़का तब और तेज़ हुआ जब पता चला कि जिलाधिकारी और एसडीएम को बैठक का पत्र भेजा गया था, लेकिन उनके पहुंचने से पहले ही बंद दरवाजों के भीतर चुनाव करा दिया गया। सवाल ये है कि अगर सब कुछ पारदर्शी था तो डीएम और एसडीएम की मौजूदगी से क्यों डर गए संघटन के कर्ताधर्ता?

अयोध्या के राजस्व विभाग में पहले से ही भ्रष्टाचार, फर्जी रिपोर्ट और मिलीभगत के आरोप गूंजते रहे हैं। अब चुनावी विवाद ने साबित कर दिया है कि लोकतंत्र यहां भी महज एक मुखौटा है, जिसके पीछे निजी स्वार्थ और साजिश का साम्राज्य पलता है।सवाल सीधा है- राजस्व निरीक्षक संघ का चुनाव लोकतंत्र का उत्सव है या फिर साजिश का काला अध्याय?

अरविंद सिंह जिलाध्यक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद अयोध्या ने उठाया चुनाव प्रक्रिया पर सवाल

राजस्व निरीक्षक संघ, अयोध्या की नई कार्यकारिणी निर्विरोध निर्वाचित

» जय नारायण तिवारी बने जिलाध्यक्ष

अयोध्या। तहसील सदर के सभागार में उत्तर प्रदेश राजस्व निरीक्षक संघ, शाखा जनपद अयोध्या का निर्वाचन सम्पन्न हुआ। प्रान्तीय कार्यकारिणी के निर्देशानुसार आयोजित इस निर्वाचन में सभी पदों पर सर्वसम्मति से प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुए। निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। नवगठित कार्यकारिणी में निर्वाचित पदाधिकारी इस प्रकार हैं जय नारायण तिवारी जिलाध्यक्ष, रामसुरेश शर्मा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, शोभाराम यादव ,कनिष्ठ उपाध्यक्ष, बृजनाथ द्विवेदी जिलामंत्री, जितेन्द्र कुमार विश्वकर्मा उपमंत्री, अब्दुल हक अंसारी कोषाध्यक्ष, जिलेदार यादव आडिटर

निर्वाचन अधिकारियों में सुनील कुमार शुक्ला, राजेश श्रीवास्तव के देखरेख में सम्पन्न इस निर्वाचन की जानकारी प्रान्तीय कार्यकारिणी, मण्डलायुक्त अयोध्या मण्डल, जिलाधिकारी अयोध्या तथा समस्त उपजिलाधिकारियों को सादर प्रेषित की गई है।

40-50 लाख में बिक रहे अध्यापक पद!

» सम्पूर्णानन्द संस्कृति विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों की भर्ती पर गंभीर आरोप

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। शिक्षा का मंदिर कहे जाने वाले महाविद्यालय अब भ्रष्टाचार का अड्डा बनते जा रहे हैं। सम्पूर्णानन्द संस्कृति विश्वविद्यालय वाराणसी से सम्बद्ध महाविद्यालयों में अध्यापक पदों की भर्ती को लेकर भारी घोटाले का आरोप सामने आया है।

कुलसचिव के आदेश पत्रांक जी.735/2025 (दिनांक 28 जुलाई 2025) के बाद महाविद्यालयों को रिक्त अध्यापक पदों पर नियुक्ति का निर्देश दिया गया। लेकिन अंदर की हकीकत कुछ और ही है।

विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार

साक्षात्कार से पहले अभ्यर्थियों को अलग से बुलाकर उनसे 40-50 लाख रुपए उत्कोच (रिश्वत) की मांग की जाती है। जो अभ्यर्थी व्यवस्था कर देते हैं, उन्हें साक्षात्कार में अधिकतम अंक देकर उपयुक्त घोषित कर दिया जाता है। जिनके पास पैसे नहीं, भले ही उनकी शैक्षिक योग्यता सर्वोच्च हो, उन्हें अयोग्य ठहरा दिया जाता है। इस भ्रष्ट तंत्र के चलते महाविद्यालयों में अयोग्य अध्यापक नियुक्त किए जा रहे हैं। इससे शिक्षा का स्तर गिरना तय है और आने वाली पीढ़ी की नींव कमजोर हो रही है।

राजेश सिंह शिकायतकर्ता

शिकायतकर्ता की अपील

राजेश सिंह मानव (संरक्षक, श्री आदित्यनाथ गौ सेवा समिति एवं पूर्व अध्यक्ष, स्वायत्त शासन कर्मचारी परिषद अयोध्या) ने इस पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराते हुए मांग की है कि भर्ती प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाई जाए।एक पारदर्शी चयन प्रक्रिया अपनाई जाए। दोषी महाविद्यालय प्रबंधन और अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई हो।

स्वराज इंडिया के बड़े सवाल...

शिक्षा के मंदिर में इस लूट को संरक्षण कौन दे रहा है?
क्या भविष्य भी बिकाऊ हो चुका है?
कब होगी इस महाघोटाले की जांच?
क्या सरकार सख्त कदम उठाएगी या फिर यह मामला फाइलों में दबा दिया जाएगा? शिक्षा का व्यापारीकरण सिर्फ भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के भविष्य की हत्या है।

याराजी बेदार की ग़ज़लों में दुष्यन्त की परंपरा की झलक

अयोध्या। जनवादी लेखक संघ और अवध साहित्य संगम के संयुक्त तत्वावधान में शायर रामजीत यादव बेदार (याराजी बेदार) के ग़ज़ल-संग्रह जलते सवालों तक का लोकार्पण आभा होटल, मोतीबाग में आयोजित हुआ।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ कवि स्वप्निल श्रीवास्तव ने कहा कि बेदार की ग़ज़लें व्यवस्था-विरोध और सामाजिक सरोकारों के कारण दुष्यन्त कुमार की परंपरा से जुड़ती हैं। आलोचक रघुवंशमणि ने इन्हें परंपरा में नया जोड़ बताते हुए ग़ालिब-मीरा-फ़ैज़ की ग़ज़ल परंपरा की चुनौतीपूर्ण विरासत का उल्लेख किया।समारोह में प्रख्यात साहित्यकारों ने बेदार की रचनाओं को किसानों, स्त्रियों और हाशिये के समाज की आवाज़ बताते हुए इन्हें संग्रहणीय कृति माना। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साहित्यकार, संस्कृतिकर्मी और समाजसेवी मौजूद रहे।

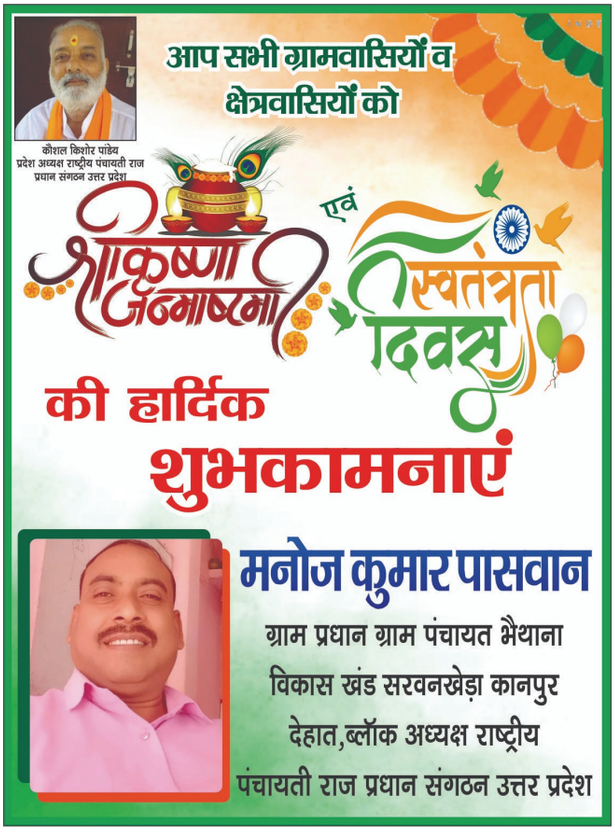

राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की जयंती पर भव्य समारोह

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की जयंती पर मंगलवार को मारवाड़ी इंटर कॉलेज में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राठौर क्षेत्रीय सभा के अध्यक्ष सुनील राठौर ने की, जबकि विधायक अमिताभ वाजपेई ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. नीरज राठौर ने कहा कि वीर दुर्गादास राठौर का जीवन त्याग, धर्मनिष्ठा और देशभक्ति का प्रतीक है। उन्होंने मांग की कि उनकी प्रतिमा कानपुर शहर में स्थापित की जाए, ताकि नई पीढ़ी उनके आदर्शों से प्रेरणा ले सके।समारोह के दौरान राठौर समाज के स्व. रामकिशन राठौर, वैद्य जी, स्व. चन्द्रसेन राठौर, स्व. सीताराम राठौर और स्व. मुन्नालाल राठौर सहित अन्य समाजसेवियों को श्रद्धांजलि दी गई। वहीं बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को बढ़ावा देने हेतु पाँच माताओं को, जिन्होंने कन्या संतान को जन्म दिया, 'नवदुर्गा कन्या सम्मान' से सम्मानित किया गया। साथ ही मेधावी छात्र-छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया।

महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से संस्था की ओर से सिलाई मशीन, एलपीजी सिलेंडर और घरेलू सामान वितरित किए गए। बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।इस अवसर पर सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आलोक राठौर व प्रमोद राठौर ने किया, जबकि मीडिया प्रभारी नितिन राठौर विशेष रूप से मौजूद रहे।

ट्रंप को आसानी से नहीं मिलेगी 'डील'

जेलेंस्की को मिला यूरोपीय देशों का साथ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। व्हाइट हाउस में जेलेंस्की के साथ आने वाले यूरोपीय नेताओं में जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैकों, ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर, यूरोपीय संघ प्रमुख वॉन डेर लेयेन और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी का नाम शामिल है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के बाद अब सोमवार को वॉशिंगटन में एक अहम मीटिंग होनी है। व्हाइट हाउस में होने वाली इस मीटिंग में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और ट्रंप के अलावा यूरोपियन देशों के कई नेता मौजूद रहेंगे। यूरोपीय नेता जेलेंस्की का समर्थन कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने इस मुलाकात से पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर पोस्ट कर लिखा, 'यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की चाहें तो रूस के साथ युद्ध लगभग तुरंत खत्म कर सकते हैं या फिर लड़ाई जारी रख सकते हैं। याद कीजिए कि इसकी शुरुआत कैसे हुई थी। ओबामा को क्रीमिया वापस नहीं मिलेगा (12 साल पहले, बिना एक भी गोली चलाए!) और

यूक्रेन का नाटो में शामिल होना भी नहीं। कुछ चीजें कभी नहीं बदलती।

वियना में रुसी दूत मिखाइल उल्यानोव के अनुसार, मास्को इस बात पर सहमत हो गया है कि यूक्रेन पर किसी भी शांति समझौते में कीव को सुरक्षा की गारंटी जरूर दी जानी चाहिए।

डोनाल्ड ट्रंप बना रहे यूक्रेन पर दबाव : बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यूक्रेन पर शांति समझौता मानने और 80 सालों में यूरोप के सबसे घातक युद्ध को खत्म करने के लिए दबाव डाल रहे हैं, पिछले हफ्ते अलास्का में पुतिन से मुलाकात के बाद से ही युद्ध विराम की मांग करने के बजाय शांति समझौते पर साइन करने के लिए जेलेंस्की पर दबाव डाल रहे हैं और इस मुद्दे पर मास्को के साथ ज्यादा जुड़े हुए नजर आ रहे हैं।

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि अमेरिका और रूसी नेताओं ने मास्को के लिए प्रस्ताव पर चर्चा की है कि वह कब्जे वाले यूक्रेनी क्षेत्र के छोटे-छोटे हिस्सों को छोड़ दे, बदले में कीव पूर्वी क्षेत्र में एक किलेबंद जमीन छोड़ दे।

'भारत-पाकिस्तान पर हर दिन अमेरिका की नजर'

जंग कभी भी हो सकती है: मार्को रुबियो

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने बार-बार ट्रंप और अमेरिका के झूठ को सिरे से नकारा है। भारत का कहना है कि सीजफायर पर बातचीत सिर्फ पाकिस्तान के साथ हुई थी और उसकी मांग इस्लामाबाद की तरफ से की गई थी।

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने रविवार, 17 अगस्त (स्थानीय समयानुसार) को कहा कि अमेरिका हर दिन भारत-पाकिस्तान की स्थिति पर नजर बनाए रखता है। उन्होंने एक बार फिर इन दोनों एशियाई पड़ोसियों के बीच परमाणु तनाव को रोकने में मदद करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों को दोहराया है। रुबियो ने कहा कि संघर्ष विराम समझौते कुछ ही समय में टूट सकते हैं क्योंकि उन्हें बनाए रखना एक चुनौती है। भारत ने बार-बार इस अमेरिकी झूठ को सिरे से नकारा है। भारत का कहना है कि सीजफायर पर बातचीत सिर्फ पाकिस्तान के साथ हुई थी और उसकी मांग इस्लामाबाद की तरफसे की गई थी। पाकिस्तान ने भी ट्रंप के दावे को ही दोहराया है।

रूबियो ने क्या कहा है? : रुबियो ने टीवी चैनल पर कहा, संघर्ष विराम (सीजफायर) की जटिलताओं में से एक इसे बनाए रखना है, जो बहुत मुश्किल है। हम हर दिन इस पर नजर रख रहे हैं कि पाकिस्तान और भारत के बीच क्या हो रहा है। रुबियो ने कहा, सीजफायर बहुत जल्दी टूट सकता है, खासकर साढ़े तीन साल के युद्ध (यूक्रेन में) के बाद जैसा कि हम अभी झेल रहे हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि कोई भी इस बात से असहमत है कि यहां का आदर्श, हम जो लक्ष्य रख रहे हैं वह कोई स्थायी युद्धविराम नहीं है। हम यहां जो लक्ष्य रख रहे हैं वह एक शांति समझौता है, ताकि अब कोई युद्ध नहीं हो और भविष्य में भी कोई युद्ध नहीं हो। फॉक्स बिजनेस के साथ एक अलग इंटरव्यू में, रुबियो ने फिर से भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया संघर्ष का उल्लेख किया, जिसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार रुकवाने करने का दावा किया है।

रुबियो ने कहा, 'और मुझे लगता है कि हम बहुत भाग्यशाली और धन्य हैं। हमें ऐसे राष्ट्रपति के लिए आभारी होना चाहिए जिन्होंने शांति और शांति की उपलब्धि को अपने प्रशासन की प्राथमिकता बनाई है। हमने इसे कंबोडिया और थाईलैंड में देखा है। हमने इसे भारत-पाकिस्तान में देखा है। हमने इसे रवांडा और डीआरसी (कांगो) में देखा है। और हम दुनिया में शांति लाने के लिए जो भी अवसर मिल सकते हैं, उनका पीछा करना जारी रखेंगे।'

वार-पलटवार

चोरी करना बंद कर दीजिए हम वोट चोरी जैसे शब्दों का उपयोग बंद कर देंगे : पवन खेड़ा

बिना सहमति मतदाताओं की तस्वीरें साझा करने पर राहुल गांधी की आलोचना की

» कमल नैन नारंग, स्वराज इंडिया

नई दिल्ली। चुनाव आयोग (श्वष्ट) ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बिहार एसआईआर (State Information Repository) से संबंधित विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया। केंद्रीय मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार ने कहा कि चुनाव आयोग का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए भारत के मतदाताओं को निशाना बनाने के लिए एक लॉन्चपैड के रूप में किया जा रहा है। उन्होंने साफ कहा कि चुनाव आयोग के लिए न कोई पक्ष है और न ही कोई विपक्ष, सभी बराबर हैं।

'वोट चोरी' के आरोपों पर चुनाव आयोग का जवाब: ज्ञानेश कुमार ने

कांग्रेस के 'वोट चोरी' के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह लोगों को गुमराह करने और संविधान का उल्लंघन करने का प्रयास है।

उन्होंने कहा, जब बिहार के साढ़े सात करोड़ से ज्यादा मतदाता चुनाव आयोग के साथ खड़े हैं, तो न तो चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर और न ही मतदाताओं की विश्वसनीयता पर कोई प्रश्नचिह्न लगाया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि हर राजनीतिक दल का जन्म चुनाव आयोग में पंजीकरण के माध्यम से होता है, ऐसे में आयोग राजनीतिक दलों के बीच भेदभाव नहीं कर सकता।

राहुल गांधी पर निशाना और कांग्रेस की प्रतिक्रिया : प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव आयोग ने मतदाताओं की तस्वीरों को बिना सहमति के साझा करने को लेकर राहुल गांधी की आलोचना की। आयोग ने कहा कि यह गोपनीयता का उल्लंघन है और यह मतदाताओं को उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित करने का प्रयास है। इसके बाद, कांग्रेस ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक वीडियो कोलाज पोस्ट किया, जिसमें चुनाव आयोग पर 'झूठ' बोलने का आरोप लगाया गया। वीडियो में पहले मुख्य चुनाव आयुक्त को यह कहते हुए दिखाया गया है कि उनके लिए कोई पक्ष या विपक्ष नहीं है, और फिर राहुल गांधी का वीडियो आता है, जिसमें वह कहते हैं कि बीजेपी से कोई एफिडेविट नहीं मांगा गया, जबकि उनसे मांगा जा रहा है।

पवन खेड़ा का पलटवार : वोट चोरी शब्द को संविधान का अपमान बताने वाले मुख्य चुनाव आयुक्त के बयान पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, आप कौन होते हैं बोलने वाले। चोरी करना बंद कर दीजिए हम वोट चोरी जैसे शब्दों का उपयोग बंद कर देंगे।